

अभ्यास पत्र
कक्षा- आठवीं

प्रिय छात्रों यह अभ्यास पत्र आपके FA-3 की लिखित परीक्षा के रूप में अंकित किया जाएगा।

प्रश्न १. अलंकार किससे कहते हैं? इसके कितने भेद हैं?

प्र० १. अपठित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:--

साहित्य का आधार जीवन है। इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी होती है। उसकी अटारियाँ, मीनार और गुंबद बनते हैं। लेकिन बुनियाद मिट्टी के नीचे दबी पड़ी है। जीवन परमात्मा की सृष्टि है इसलिए सुबोध है, सुगम है और मर्यादाओं से परिमित है। जीवन परमात्मा को अपने कार्यों का जवाबदेय है या नहीं हमें मालूम नहीं लेकिन साहित्य तो मनुष्य के सामने जवाबदेय है। किसी को आनंद द्रव्य में मिलता है, किसी को पूरे परिवार में, किसी को लंबे चौड़े भवन में, किसी को ऐश्वर्य में लेकिन साहित्य का आनंद इस आनंद से ऊँचा है; उसका आधार सुंदर और सत्य है। वास्तव में सच्चा आनंद सुंदर और सत्य से मिलता है उसी आनंद को दर्शाना, वही आनंद उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है।

१. साहित्य का आधार क्या है?
२. जीवन परमात्मा की क्या है?
३. साहित्य किसके सामने जवाबदेय है?
४. सच्चा आनंद कैसे मिलता है?
५. इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

प्रश्न १. अलंकार किससे कहते हैं? इसके कितने भेद हैं?

प्रश्न २. निम्नलिखित इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए।

१. नील गगन -सा शांत हृदय हो रहा था।
२. विमल वाणी ने वाणी ली।
३. चारू चंद्र की चंचल किरणें।
४. कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढ़े बन माँहि।
५. माला फेरत युग भया, फिरा न मन का फेर।
कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर॥